Title : Vast variation in rates of the medicines being manufactured under different brand names.

श्री गणेश सिंह (सतना): महोदय, मैं भारत सरकार का ध्यान जीवनरक्षक दवाइयों के दामों में भारी अंतर की ओर दिलाना चाहता हूं।

हमारा भारत गरीब देश है। गरीबों को मुफ्त दवा के नाम पर हम बहुत कुछ नहीं दे पा रहे हैं। एक ही प्रकार की दवा के विभिन्न दवा कंपनियों के रेट में भारी अंतर है। यह अंतर दो गुना से लेकर पांच गुने तक का है। कंपनियां जेनरिक नाम के साथ-साथ ब्रांड नाम से भी दवा बनाती हैं और डाक्टर ब्रांड नाम से दवा अपने दवाई के पर्चे में लिखते हैं, जिससे कंपनियों को करोड़ों का फायदा होता है। कंपनी के ब्रांड नाम से दवा लिखने पर डाक्टरों को विभिन्न प्रकार से पुरस्कृत भी किया जाता है। वैसे तो नियमानुसार डाक्टर को जेनरिक नाम से दवा लिखने का प्रावधान है, पर ऐसा होता नहीं है।

बड़ी-बड़ी कंपनियां जो जेनरिक नाम से दवा बनाती हैं, ये ब्रांड नेम से भी दवा बनाती हैं। उनकी एमआरपी जिस रेट में दवा दुकानदार को दी जाती है, उससे दो गुना से तीन गुना तक की होती है। देश में एक ही बीमारी के लिए विभिन्न कम्पनियों द्वारा अलग-अलग दाम होने के कारण उत्पन्न स्थिति से आम जनता को राहत दिलाने के संबंध में इस ओर कदम उठाना अति आवश्यक है। मैं सदन में एक तुलनात्मक चार्ट प्रस्तुत कर रहा हूं।